Hindi B

विषय–हिन्दी 'बी'

Set-I

समय–3 घण्टे | अधिकतम अंक–100

नोट: 1. इस प्रश्न–पत्र में 'क', 'ख', 'ग', 'घ' चार खण्ड हैं।
2. सभी खण्ड करने अनिवार्य हैं।
3. सभी खण्डों और उनके प्रश्नों को क्रम से किया जाना चाहिए।

खण्ड 'क'

प्रश्न 1) – निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें:– (12)

नाव में अफसर के साथ बैठने से बेहतर है कि डूब मरिए, क्योंकि जब सूराख होगा, वह आपसे इसका स्पष्टीकरण माँगेगा। जब नाव हचकोले लेती इधर–उधर डोलेगी, वह आपको जलती आँखों से घूरेगा और डाँट लगाएगा। और जब वह धीरे–धीरे सधी हुई लहरों पर बहती चली जाएगी तब? तब वह आपका आभारी नहीं होगा। वह अपने को सफल अफसर मानेगा, जिसके योग्य प्रशासन में नाव ठीक चल रही है।

चाँदनी रात है। हवा है। लहर है। चारों तरफ वही अमृत बिखरा है जिसमें रोमांस पनपता है और कविताएँ लिखी जाती हैं। पर नाव में एक अफसर बैठा है। हो सकता है इस संगीतमय वातावरण में वह किसी फाइल का किस्सा छेड़ दे–उस फाइल का जो इस समय मुख्य सचिव के पास है, जिसमें मूल टीप अफसर की है और जो केबिनेट के सामने जाने वाली है।

मन करता है नाव से कूद पड़ें, क्योंकि दुनिया के जिन झंझटों से मुक्ति पाने के लिए आप नाव में बैठे थे वे इस काव्यमय वातावरण में भी ज्यों का त्यों है। गलती वास्तव में आपकी है। आप नाव में अफ़सर के साथ बैठे ही क्यों? अफसर अफ़सर ही होता है और वह जितना दफ्तर में अफसर होता है उतना ही नाव में होता है। वह बोर करता है, पर वह इतना सहज बोर है कि बेचारा नहीं जानता कि बोर है। और वह यह भी नहीं जानता कि वह नाव में बैठा है, जब तक आप उसे 'मेमो' न थमा दें कि सर, यह चाँदनी रात है और जो यह ठंडी हवा चल रही है, भगवान् के बजट में इसका प्रावधान है। और हुजूर, श्रीमान्, हेड आफिस से आर्डर हुआ है कि आप पूनम की रात नाव पर बैठकर सैर को जाएँ।

लोग सोचते हैं अफ़सर किस मिट्टी का बना है? मिट्टी तो देशी है, सिर्फ साँचा विदेशी है, जिसमें अफ़सर ढलता है। अफसर ढलकर तैयार होता है या जनम से अफसर

हो जाता है, यह बहस का विषय है। सच यह है कि कुछ लोग पैदायशी अफ़सर होते हैं। अफ़रार से रिटायर होने के बाद भी आदमियों में अफ़सरत्व कायम रहता है, जो घर के लोगों को परेशान करता है। वह परम अवस्था जब पत्नी एक न सुलझने वाली चिर–पेंडिंग साक्षात् फाइल की तरह नजर आती है और हर बच्चा अपने–आप में एक केस लगता है, जो हमेशा अनुशासन भंग करता है, पर जिसे न 'सस्पेंड' किया जा सकता है और न जिसका 'प्रमोशन' रोका जा सकता है। वे घर को एक दफ्तर की तरह चलाते हैं। और जिस तरह दफ्तर को वे कभी ठीक नहीं चला पाए उसी तरह घर भी नहीं चला पाते। जब तक चार सब्जीवालों से मौखिक टेंडर न ले लें, वे कद्दू नहीं खरीदते और जब तक वे 'सैंक्शन' नहीं दें प्यार नहीं करते।

(i)	लेखक अफसर के साथ नाव में बैठने के लिए मना क्यों करता है?	(1)
(ii)	अफसर अफ़रार क्यों होता है?	(1)
(iii)	लेखक ने किस वातावरण को संगीतमय कहा है?	(1)
(iv)	लेखक का मन नाव से कूद पड़ने को कब करता है?	(1)
(v)	लेखक ने अफसर के बोर करने को 'सहज बोर करना' क्यों कहा है?	(1)
(vi)	लेखक दुनिया के किस प्रकार के झंझटों से छुट्टी पाना चाहता है?	(1)
(vii)	अफसर कब तक बोर करता रहता है?	(1)
(viii)	अफ़सर के बारे में बहस का विषय क्या है?	(1)
(ix)	अफसर अपने घर को ऑफिस की तरह कैसे चलाता है?	(1)
(x)	'अफसरत्व' और 'मौखिक' शब्दों से प्रत्यय अलग करो।	(1)
(xi)	'नाव' और 'रात' शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखो।	(2)

प्रश्न 2) – किसी एक पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों का उत्तर दें :– (8)

है अँधेरी रात, पर दीवा जलाना कब मना है?
कल्पना के हाथ से कमनीय जो मन्दिर बना था,

भावना के हाथ ने जिसमें वितानों को तना था,
स्वप्न ने अपने करों से था जिसे रुचि से सँवारा,
स्वर्ग के दुष्प्राप्य रंगों से, रसों से जो सना था,
ढह गया वह जो जुटाकर ईंट, पत्थर कंकड़ों को
एक अपनी शांति की कुटिया बनाना कब मना है?
है अँधेरी रात, पर दीवा जलाना कब मना है?

क्या घड़ी थी एक भी चिंता नहीं थी पास आई,
कालिमा तो दूर, छाया भी पलक पर थी न छाई,
आँख से मस्ती झलकती; बात से मस्ती टपकती,
थी हँसी ऐसी जिसे सुन बादलों ने शर्म खाई,
वह गयी तो ले गयी उल्लास के आधार, मानो,
पर अथिरता पर समय की मुस्कराना कब मना है?

है अँधेरी रात, पर दीवा जलाना कब मना है?

(1) 'अँधेरी रात' और 'दीवा जलाने' से कवि का क्या आशय है? (1)

(2) भव्य भवन के ढह जाने पर किस प्रकार के लोग नई कुटिया बनाने का साहस नहीं कर पाते? (1)

(3) जीवन में उल्लास का क्या आधार बताया गया है? (1)

(4) किसी गहरे सुखद क्षण के समय व्यक्ति कैसा अनुभव करता है? (1)

(5) पद्यांश का उचित शीर्षक दें। (1)

(6) पद्यांश में अँधेरा, चिंता कालिमा और छाया आदि शब्दों का प्रयोग निराशा के भाव अभिव्यक्त करते हैं। आशा के भाव व्यक्त करने वाले शब्द छाँट कर लिखें। (2)

(7) भवन के ढह जाने पर क्या करना चाहिए? (1)

अथवा

एक तेरी ही नहीं, सुनसान राहें और भी हैं
कल सुबह की इंतजारी में निगाहें और भी हैं।

और भी हैं ओंठ जिन पर
वेदना मुस्कान बनती,
नींद तेरी ही न केवल
स्वप्न की पहचान बनती।
पूजना पत्थर अकेले एक तुझको ही नहीं –
'वाह' बनने के लिए मजबूर आहें और भी हैं।

एक नन्हा घोंसला
उड़ता न आँधी में अकेला,
पड़ गया पाला अगर
तो एक टहनी ने न झेला।

सोच तो क्या बाढ़ आई है अकेले को डुबाने।
एक तिनका ढूँढ़ती असहाय बाँहें और भी हैं।

तू अकेला ही नहीं है
जो अकेला चल रहा है,
और तलुवों के तले भी
यह धरातल जल रहा है।

और हैं साथी जिन्हें तूने न देखा है न जाना
सामने है एक ही, लेकिन दिशाएँ और भी हैं।

(i) 'एक तेरी ही नहीं' कथन में 'तेरी' का प्रयोग किसके लिए हुआ है? (1)

(ii) 'सुनसान राहों' से कवि का क्या तात्पर्य है? (1)
(iii) 'आँधी' और 'पाला' पड़ने पर घोंसलों और टहनियों पर क्या बीतती है? (1)
(iv) 'तू अकेला ही नहीं है' पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहते हैं? (1)
(v) कवि ने निराशा से उबरने के लिए क्या–क्या दृष्टान्त दिए हैं? किन्हीं दो का उल्लेख करो। (1)
(vi) पद्यांश का उचित शीर्षक दें। (1)
(vii) पद्यांश का मूलभाव लिखें। (2)

खण्ड 'ख'

प्रश्न 3) – निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए बिन्दुओं के आधार पर 80–100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। (5)

1) छात्रों में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति।
- छात्रों पर बढ़ता मानसिक दबाव
- अभिभावकों तथा अध्यापकों की आकांक्षाएँ
- मानसिक दबाव दूर करने के लिए नशे का सहारा
- हानियाँ
- सरकार का कर्त्तव्य
- नशे का उन्मूलन

2) सच्चरित्र और छात्र
- छात्र जीवन गीली मिट्टी के समान
- इस आयु में चरित्र का महत्त्व समझना आवश्यक
- आदर्शोन्मुख जीवन की कल्पना
- चरित्र जीवन का असली कोष
- सत्संगति की आवश्यकता

3) गंगा प्रदूषण –
- भारत की पवित्र नदी
- देवनदी की संज्ञा
- भारतवासियों की भावनाओं से जुड़ी
- गंगा जल के प्रदूषण के कारण
- मृतक व उनकी अस्थियों का विसर्जन
- मूर्ति विसर्जन
- गंगा की स्वच्छता की आवश्यकता
- प्रदूषण दूर करने के उपाय

प्रश्न 4) – किसी एक विषय पर पत्र लिखें :– (5)

समाचार पत्र के संपादक को नगर में डेंगू फैलने के कारणों की चर्चा करते हुए इससे निपटने की अपर्याप्त तैयारियों का उल्लेख करें।

अथवा

बिजली का भारी भरकम बिल आने की शिकायत करते हुए बिजली आपूर्ति अधिकारी डेसू को पत्र लिखें।

खण्ड 'ग'

प्रश्न 5) – (i) 'पुस्तक' शब्द का प्रयोग पद और पदबन्ध के रूप में करें। (1)

(ii) रेखांकित पदबन्ध के भेद का नाम लिखिए – (1)

वह लपाती की समुद्री चट्टान पर पहुंच गया।

(iii) रेखांकित का पद–परिचय दीजिए।

(1) वाह, क्या मधुर गीत है। (2)

(2) मेरी मुट्ठी में कुछ है।

प्रश्न 6)–(i) समस्त पद का विग्रह कर समास का नाम लिखें :–

कुलश्रेष्ठ (1)

(i) रेखांकित का विग्रह कर के समास का नाम लिखिए –

यह इक्कीसवीं शताब्दी है। (1)

(ii) सन्धि कीजिए :–

सर्व+उपरि, परि+आवरण (1)

(iii) सन्धि विच्छेद कीजिए –

वर्षर्तु, व्योम (1)

प्रश्न 7) – क) रचना के आधार पर वाक्य–भेद लिखिए –

(i) तुम महान् हो क्योंकि तुम सत्य बोलते हो। (1)

(ii) तुम बीमारों की तरह चल रही हो। (1)

ख) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित करें :–

(i) तुम्हारे बाहर जाते ही वह सो गया। (संयुक्त वाक्य में) (1)

(ii) उन्होंने टोपी पहनी है और वे बाहर जा रहे हैं। (मिश्र वाक्य में) (1)

प्रश्न 8) – वाक्य शुद्ध कीजिए :– (4)

(i) भारतीय टीम श्री लंका टीम जीत लिया।

(ii) उसे बोला कि दर्द नहीं होगा।

(iii) मेरे को मत रोको।

(iv) कृपया करके मेरे पुत्र के विवाह पर आने की कृपा करें।

प्रश्न 9) – क) निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति उचित मुहावरों द्वारा कीजिए :– (2)

(i) पिताजी को क्रेडिट कार्ड के उचित उपयोग के विषय में कुछ भी कहना मेरे लिए छोटा ———————————— थी।

(ii) उस पहलवान के लिए दो रोटी और थोड़ी सी दाल ऊँट ———— थी।

ख) – मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ अलग करें :– (2)

(1) नाच न जाने आँगन टेढ़ा।
(2) कमर कसना।
(3) कान कतरना।
(4) अंधा बाँटे रेवड़ी फिर–फिर अपने को दे।

खण्ड 'घ'

प्रश्न 10) – कोई एक पद्यांश पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें :– (6)

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नांहि।
सब अँधियारा मिटि गया जब दीपक देखा मॉहि।।
सुखिया सब संसार है, खायै अरु सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरु रोवै।।

(1) प्रथम दोहे में दीपक किसका प्रतीक है? दीपक कौन–सा अँधकार मिटा रहा है? (2)

(2) संसार में सुखी कौन है और दुःखी कौन? 'सोना' और 'जागना' का प्रयोग यहाँ क्यों और किसके लिए किया गया है? (2)

(3) 'हरि' और 'मैं' दोनों एक साथ क्यों नहीं रह सकते? (2)

अथवा

सौरभ फैला विपुल धूपबन,
मृदुल मोम सा घुल रे मृदु तन,
दे प्रकाश का सिंधु अपरिमित
तेरे जीवन का अणु गल–गल।

(1) यहाँ कवयित्री किस प्रकार और कौन सा सौरभ फैलाना चाहती हैं? (2)

(2) कवयित्री स्वयं को किस प्रकार प्रकाश के लिए समर्पित कर देना चाहती हैं? (2)

(3) दीपक किसका प्रतीक है? कवयित्री दीपक को किस तरह से जलने का आग्रह करती हैं?(2)

प्रश्न 11) – किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें :– **3+3+3=9**

(i) 'आत्मत्राण' कविता में कवि किससे और क्या प्रार्थना कर रहे हैं?

(ii) मीरां अपने इष्ट देवता से प्रार्थना करते हुए किस–किस का उदाहरण देकर दुःख दूर करने की प्रार्थना करती हैं।

(iii) 'मनुष्य मात्र बन्धु हैं' से आप क्या समझते हैं?

(iv) ऐतिहासिक धरोहरों का क्या महत्व होता है? 'तोप' कविता के आधार पर स्पष्ट करें।

प्रश्न 12–क) 'कर चले हम फ़िदा' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए। (3)

ख) बिहारी ने श्री कृष्ण के रूप सौंदर्य का वर्णन किस तरह किया है? (2)

प्रश्न 13) – निम्नलिखित गद्यांशों में से कोई एक पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दें:–(6)

शैतान का हाल भी पढ़ा ही होगा। उसे यह अभिमान हुआ था कि ईश्वर का उससे बढ़कर सच्चा भक्त कोई है ही नहीं। अंत में यह हुआ कि स्वर्ग से नरक में ढकेल दिया गया। शाहेरूम ने भी एक बार अहंकार किया था। भीख माँग–माँग कर मर गया। तुमने तो अभी केवल एक दरजा पास किया है और अभी से तुम्हारा सिर फिर गया, तब तो तुम आगे पढ़ चुके। यह समझ लो कि तुम अपनी मेहनत से नहीं पास हुए, अंधे के हाथ बटेर लग गई। मगर बटेर केवल एक बार हाथ लग सकती है, बार–बार नहीं लग सकती। कभी–कभी गुल्ली डंडे में भी अंधा–चोट निशाना पड़ जाता है। इससे कोई सफल खिलाड़ी नहीं हो जाता। सफल खिलाड़ी वह है, जिसका कोई निशाना खाली न जाए।

(i) लेखक ने अभिमान का प्रभाव दिखाने के लिए किस–किस का उदाहरण दिया है? उन्हें क्या फल भोगना पड़ा? (2)

(ii) लेखक ने ऊपर दिए गए गद्यांश में सफलता को क्या कहा है? (2)

(iii) निम्न मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए :– (2)

क) अंधे के हाथ बटेर लगना

ख) अंधा–चोट निशाना।

अथवा

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं। लाभ–हानि का हिसाब लगाकर ही कदम उठाते हैं। वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर बढ़ते हैं। खुद ऊपर चढ़े और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चलें। यहीं महत्त्व की बात है। यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है। समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है। व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है।

(1) व्यवहारवादी लोग किस बात के प्रति सजग रहते हैं? स्पष्ट करें। (2)

(2) लेखक ने महत्त्व की बात किसे और क्यों कहा है? (2)

(3) आपके अनुसार आज की युवा पीढ़ी के लिए व्यावहारिक जीवन में आदर्शों का क्या मूल्य है? (2)

प्रश्न 14) किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें :- 3+3+3=9

(1) "अब न सोलोमन है जो उनकी जुबान को समझकर उनका दुःख बाँटे, न मेरी माँ है, जो इनके दुःखों में सारी रात नमाजों में काटे –'अब कहाँ दूसरे के दुख में दुखी होने वाले' अध्याय में लेखक ने यह कब और क्यों कहा?

(2) 'गिरगिट' कहानी के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध करें।

(3) लेखक के इस कथन से कि 'तीसरी कसम' फिल्म कोई सच्चा कवि हृदय ही बना सकता था, आप कहाँ तक सहमत हैं?

(4) रूढ़ियाँ जब बंधन बन बोझ बनने लगे तब उनका टूटना ही अच्छा है। क्यों? स्पष्ट करें।

प्रश्न 15) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें :-

(क) जुलूस के 'लाल बाज़ार' आने पर लोगों की क्या दशा हुई? 'डायरी का एक पन्ना' अध्याय के आधार पर उत्तर दें। (3)

(ख) वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था, कैसे? स्पष्ट कीजिए। (2)

प्रश्न 16) 'संचयन' के आधार पर किसी एक प्रश्न का उत्तर दें:- (4)

'हरिहर काका' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि "अज्ञान की स्थिति" में ही मुनष्य मृत्यु से डरते हैं। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को वरण करने के लिए तैयार हो जाता है।

अथवा

मास्टर प्रीतमचन्द से स्कूल के बच्चें क्यों डरते थे? 'सपनों के से दिन' पाठ के आधार पर उत्तर दें।

प्रश्न 17) किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें :- 2+2+2+=6

(i) टोपी के लिए दस अक्तूबर सन् पैंतालीस का दिन महत्त्वपूर्ण क्यों था?

(ii) कोई भी भाषा आपसी व्यवहार में बाधा नहीं बनती 'सपनों के से दिन' पाठ के किस संदर्भ से यह सिद्ध होता है।

(iii) हरिहर काका पुलिस इंचार्ज को कमरे का ताला तोड़ने पर किस स्थिति में मिले?

(iv) टोपी को इफ़्फ़न की दादी क्यों अच्छी लगती थी। कोई दो कारण लिखिए?